MOHSIN
DEHLVI

Dehlvi 95 YEARS OF TRADITION TRUST EFFICACY

देहल्वी विशेष सीरीज़ - 5

हृदय विकार

Dehlvi
Nature is our Laboratory

Dehlvi

MOHSIN
Dehlvi

हृदय और रक्त वाहिकाओं दोनों को प्रभावित करने वाले कई विकारों के लिए हृदय रोग सामान्य रूप में प्रयोग किया जाने वाला वाक्यांश है। एक अधिक उपयुक्त शब्द हृदवाहिनी विकार है। यह मृत्यु और बिमारी का एक प्रमुख कारण है जो दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करता हैं।

हृदवाहिनी के कार्यों में 1. पोषक तत्वों को कोशिकाओं तक पहुंचाना 2. आंतों और अन्य उत्सर्जन अंगों के माध्यम से अपशिष्ट उत्पादों को हटाना और 3.धमनियों के माध्यम से हृदय से ऑक्सीजन युक्त रक्त को पंप करना और नसों के माध्यम से ऑक्सीजन रहित रक्त को वापस करना शामिल हैं। हृदवाहिनी प्रणाली श्वसन और तंत्रिका तंत्र के साथ मिलकर काम करता है। यह श्वसन प्रणाली के साथ काम करके फेफड़ों में ली गई ऑक्सीजन को शरीर के बाकी हिस्सों में ले जाता है और निष्कासन के लिए शरीर से कार्बन डाइऑक्साइड को फेफड़ों तक पहुंचाता है। अनुकम्पी तंत्रिका संस्थान और परानुकम्पी तंत्रिका संस्थान के संकेत से दिल की धड़कन को नियंत्रण करने में मदद मिलती है।

हृदय एक शंकु के आकार का अंग है जो बंद मुट्ठी के आकार का होता है। आम धारणा के विपरीत, हृदय छाती के बाईं ओर नहीं बल्कि यह लगभग केंद्रीय होता है, लेकिन इसकी सबसे प्रमुख धड़कन बाएं निप्पल के नीचे महसूस की जा सकती है। यह पूरे शरीर में रक्त पंप करता है और सामान्य वयस्क में औसतन 70 बीट प्रति मिनट धड़कता है। यह तंत्रिका आवेगों और मांसपेशियों के संकुचन के माध्यम से पूरा किया जाता है। हृदय शिथिल रूप से एक रेशेदार , सुरक्षात्मक, बैग जैसे घेरे में घिरा होता है जिसे पेरिकार्डियम कहा जाता है। हृदय 4 कक्षों से बना होता है। शीर्ष भाग में अत्रियम होता है , जिसमें दाएं और बाएं वाल्व होते हैं। हृदय के निचले हिस्से में वेंट्रिकल नामक कक्ष होता है, जिसमें भी दाएं और बाएं वाल्व होते हैं।

हृदवाहिनी रोग में कई लक्षण और विकार शामिल हैं – कोरोनरी धमनी रोग (धमनीकाठिन्य, धमनीकलाकाठिन्य, एनजाइना और हार्ट अटैक), उच्च रक्तचाप, आमवाती हृदय रोग और जन्मजात हृदय रोग। कोरोनरी धमनी रोग हृदय रोग से मृत्यु का सबसे आम कारण है।

आधुनिक चिकित्सा प्रणाली में अक्सर उपचार में उपयोग की जाने वाली दवाएं अतालता विरोधी (antiarrhythmics), उच्च रक्तचाप विरोधी (antihypertensives), एड्रीनलिनधमोत्तेजक विरोधी (antiadrenergics), मूत्रवर्धक, एनजाइना विरोधी (antianginals) और थक्का–रोधी (anticoagulants) हैं।

यह दवाएं प्रभावी हैं लेकिन इंके कई दुष्प्रभाव हैं जैसे गंभीर सिरदर्द, क़ब्ज़, सांस की तकलीफ, चक्कर आना, भूख न लगना, सीने में जलन आदि। स्थायी रोग में उपचार स्पष्ट रूप से लंबा होता है। युनानी प्रणाली में कई दवाएं हैं जो न केवल रोगसूचक राहत प्रदान करती हैं बल्कि बिना किसी ज्ञात दुष्प्रभाव के मूल कारण पर हमला करती हैं। देहल्वी में हृदवाहिनी संबंधी विकारों के इलाज के लिए कई उपयोगी दवाएं हैं।

अर्बियन नुस्ख़ा

यह एक प्राकृतिक घरेलू उपचार है जो हार्ट ब्लॉकेज व ऐंजाईना में लाभकर है और मोटापा व कोलेस्ट्राल घटाता है। यह एक प्राचीन आज़माया और परखा गया नुस्ख़ा है जो चर्बी को गला कर हृदय विकारों की संभावना कम करता है और शरीर की मांसपेशियों को सुदृढ़ एवं सुडौल बनाता ह। अब डाईटिंग आदि अप्राकृतिक व कठिन व्यायाम की कोई आवश्यकता नहीं। ब्लड प्रेशर सामान्य करता है, रक्त गाढ़ा होने से रोकता है, फ़ालिज से बचाव करता है, पाचन ठीक करता है, शरीर को त्वचा विकारों से बचाता है, आंतों की कमज़ोरी दूर करता है और संधिवात में लाभदायक है। अधिकतम लाभ के लिए इसकी तैयारी में प्रयोग आने वाला सेब सिरका कच्चा, अपास्तुरीक्रित और अनफिल्टर्ड होता है।

मिश्रण : प्रत्येक 100 मि.ली. में शामिल पदार्थ : निंबू रस, अदरक रस, लहसुन रस, सेब सिरका प्रत्येक 12.5 मि.ली., शहद 50 मि.ली.

लक्षण : हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्राल, हृदय रोग, गैस, अपचन और मोटापा।

सेवन विधि : दवा के साथ है।

पैकिंग : 200 व 500 मि.ली. का पैक।

कार्डियो–सिप

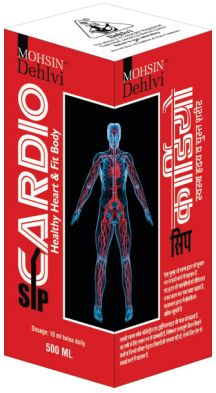

यह एक ऐसा फार्मूला है जो स्वस्थ हृदय को सुचारू रूप से कार्य करने में सहायक है। यह हृदय की मांसपेशियों को पौष्टिकता और शक्ति प्रदान कर रक्त प्रवाह बढ़ाता है, फलस्वरूप हृदय में ऑक्सीजन अधिक पहुंचती है। इसके अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स को सामान्य स्तर पर लाता है। यह एक रोगनिरोधी के रूप में हर किसी व्यक्ति के लिए लाभकर है, विशेष रूप से उनके लिए जो तनावपूर्ण जीवन बिताते हैं या जिनके परिवार में हृदय विकारों की समस्या रही हो, उनके लिए रोग से बचाव करने में सहायक है।

मिश्रण : प्रत्येक 10 मि.ली. में शामिल पदार्थ : गुड़हल 20 मि. ग्रा., नागकेसर 30 मि.ग्रा., बालछड़, छड़ीला, नीलोफ़र प्रत्येक 50 मि.ग्रा., मीठा कुट, अमलवेद प्रत्येक 70 मि.ग्रा., गोखरू 200 मि.ग्रा. , अर्जुन छाल 500 मि.ग्रा., अर्क गुलाब, अर्क केवड़ा प्रत्येक 0.5 मि. ली., सेब सिरका 2 मि.ली.

लक्षण : हृदय की धड़कन का बढ़ जाना, लिपिड की असामान्य मात्रा, ह्रिदयशूल (एन्जाइना), अतालता, घबराहट, सांस फूलना, कमज़ोर नाड़ी, रक्त में अत्यधिक मात्रा में वसा या चर्बी और मायोकार्डियल इन्फार्कशन।

सेवन विधि : 10 मि.ली. प्रतिदिन सुबह–शाम।

पैकिंग : 200 मि.ली. व 500 मि.ली. का पैक।

देहल्वी अर्शदि गोल्ड पिल्ज़

कदीमी नुस्ख़े में से शकर के अतिरिक्त कुछ निकाला नहीं, गुणकारिता के अतिरिक्त कुछ मिलाया नहीं। सदियों के आज़माए हुए ख़मीरा आबरेशम हकीम अर्शद वाला का विकसित रूप है जो गोली के रूप में प्रस्तुत है। शकर रहित, एक गोली 5 ग्राम का आधुनिक विकल्प है। बेही, अनार व सेब के रस के स्थान पर हम डीहाईड्रेटेड फलों का प्रयोग करते हैं ताकि इसके गुण बने रहें। हृदय तथा मस्तिष्क को शक्ति देता है। मस्तिष्क के विभिन्न भागों को शक्ति देकर उनका विकार दूर करता है। स्नायुओं की बढ़ी हुई प्रक्रिया को सामान्य करता है। हृदय प्रक्रिया में संतुलन उत्पन्न करता है। सामान्य शारीरिक दुर्बलता को दूर करता है। हृदय की धड़कन, उन्माद और कुविचारता को शीघ्र दूर करता है। यकृत को शक्ति देकर रक्त की उत्पत्ति में सहायक होता है। हृदयशूल और रोग के बाद की दुर्बलता में उपयोगी है।

मिश्रण :. प्रत्येक 500 मि.ग्रा. गोल्ड कोटेड गोली में शामिल पदार्थ : अम्बर 4 मि.ग्रा., मस्तगी 5 मि.ग्रा., केसर 7 मि.ग्रा., सन्दल सफेद, छोटी इलाइची, अगर, संतरे का छिल्का, लौंग, तेज़पात, बालछड़, याकूत,यशब सब्ज, सेब रस डीहाईड्रेटेड, अनार रस डीहाईड्रेटेड, बेही डीहाईड्रेटेड प्रत्येक 10 मि.ग्रा., मोती, कहरुबा प्रत्येक 15 मि.ग्रा., आबरेशम 333 मि.ग्रा., अर्क़ गुलाब q.s.

लक्षण : हृदयशूल (एन्जाइना), चिंता व परेशानी, हृदयमन्दता (धड़कन का कम हो जाना), हृदय न्युरोसिस, अवसाद, रक्त में अत्यधिक मात्रा में वसा या चर्बी (लाइपिड), विषाद रोग, निम्न रक्तचाप, घबराहट, भय, मायोकार्डियल इन्फार्कशन, मनोवैज्ञानिक दबाव और हृदय की धड़कन का बढ़ जाना।

सेवन विधि : एक गोली प्रातःकाल निहार मुंह दूध या पानी के साथ सेवन कराएं।

पैकिंग : 10 पिल्ज़ का पैक।

देहल्वी आबरेशम अर्शदी-SF

ख़मीरा आबरेशम हकीम अर्शद वाला का विकसित रूप है जो शुगर–फ्री रूप में प्रस्तुत है। ख़मीरा आबरेशम हकीम अर्शद वाला की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी आबरेशम् अर्शदी-SF निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करता है। हृदय तथा मस्तिष्क को शक्ति देता है। मस्तिष्क के विभिन्न भागों को शक्ति देकर उनका विकार दूर करता है। स्नायुओं की बढ़ी हुई प्रक्रिया को सामान्य करता है। हृदय प्रक्रिया में संतुलन उत्पन्न करता है। सामान्य शारीरिक दुर्बलता को दूर करता है। हृदय की धड़कन, उन्माद और कुविचारता को शीघ्र दूर करता है। यकृत को शक्ति देकर रक्त की उत्पत्ति में सहायक होता है। हृदयशूल और रोग के बाद की दुर्बलता में उपयोगी है।

मिश्रण :. प्रत्येक 3 ग्राम में शामिल पदार्थ : अगर, बालछड़, पोस्त तुरंज प्रत्येक 5.54 मि.ग्रा., केसर, मस्तगी, लौंग, छोटी इलाइची, छड़ीला प्रत्येक 6.93 मि.ग्रा., सन्दल सफेद, अम्बर, वर्क़ चांदी प्रत्येक 6.93 मि.ग्रा., कहरुबा, याकूत, यशब सब्ज प्रत्येक 12.47 मि.ग्रा., मोती 16.79 मि.ग्रा., अर्क़ गावज़बां, अर्क़ गुलाब, अर्क़ बेदमुश्क, सेब रस, अनार रस, बेही रस प्रत्येक 194.05 मि.ग्रा., आबरेशम 304.94 मि.ग्रा., सार्बीटौल 385 मि.ग्रा., और फ्रक्टोऑलिगोसैक्राईड्स 1 ग्राम

लक्षण : हृदयशूल (एन्जाइना), चिंता व परेशानी, हृदयमन्दता (धड़कन का कम हो जाना), हृदय न्युरोसिस, अवसाद, रक्त में अत्यधिक मात्रा में वसा या चर्बी (लाइपिड), विषाद रोग, निम्न रक्तचाप, घबराहट, भय, मायोकार्डियल इन्फार्कशन, मनोवैज्ञानिक दबाव और हृदय की धड़कन का बढ़ जाना।

सेवन विधि : 3 ग्राम प्रातःकाल निहार मुंह दूध या पानी के साथ सेवन कराएं।

पैकिंग : 60 ग्राम व 125 ग्राम का पैक।

देहल्वी ख़मीरा मोती-SF

ख़मीरा मरवारीद का विकसित रूप है जो शुगर–फ्री रूप में प्रस्तुत है। ख़मीरा मरवारीद की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी ख़मीरा मोती-SF निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करता है। दिल की धड़कन, परेशानी और घबराहट को दूर करता है। हृदय को पुष्ट करता है। बाल मिर्गी और सामान्य शारीरिक दुर्बलता में बहुत लाभ पहुंचाता है। मोतीझरा और ख़सरा जैसे रोगों में दिल और सामान्य गरिमा की रक्षा करता है। इन रोगों के बाद की कम़जोरी को बहुत जल्दी दूर करता है।

मिश्रण : प्रत्येक 5 ग्राम में शामिल पदार्थ : कहरुबा, तबाशीर, यशब सब्ज, ज़हर मोहरा, सन्दल सफेद, वर्क़ चांदी, मोती प्रत्येक 49.13 मि.ग्रा., बेही रस, सेब रस, अनार रस प्रत्येक 842.19 मि.ग्रा., सार्बीटौल 842 मि.ग्रा, फ्रक्टोऑलिगोसैक्राईड्स 1.263 ग्राम, अर्क़ गुलाब q.s.

लक्षण : चिंता व परेशानी, हृदय की धड़कन का बढ़ जाना, हृदय की कमज़ोरी, बाल मिर्गी, सामान्य दुर्बलता, चिकन पॉक्स, खसरा, स्वास्थ्यलाभ आर कैल्शियम की कमी।

सेवन विधि : बच्चों को उन की आयु के अनुसार एक ग्राम से 3 ग्राम तक और बड़ी आयु वालों को 5 ग्राम सुबह निहार मुंह और शाम को पानी या अर्क़ गावज़बां के साथ खिलाएं।

पैकिंग : 10 पिल्ज़ का पैक।

देहल्वी दवाउल मोतदिल जवाहरी-SF

दवाउलमिस्क मोतदिल जवाहर वाली का विकसित रूप है जो शुगर–फ्री रूप में प्रस्तुत है। दवाउलमिस्क मोतदिल जवाहर वाली की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी दवाउल मोतदिल जवाहरी-SF निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करती है। हृदय को पुष्टि देती है। हृदय की अनियमित प्रक्रिया को संतुलित करती है। सामान्य शारीरिक दुर्बलता, मूर्च्छा, घबराहट तथा रोगावस्था के बाद की दुर्बलता में लाभकर है। रक्त प्रवाह और रक्त उत्पत्ति को बढ़ाती है। यकृत तथा आमाशय को भी शक्ति प्रदान करती है।

मिश्रण : प्रत्येक 5 ग्राम में शामिल पदार्थ : अम्बर 15.9 मि.ग्रा., मस्तगी, छड़ीला, इलाइची छोटी प्रत्येक 31.7 मि.ग्रा., अगर बादरन्जबोया प्रत्येक 39.7 मि.ग्रा., ज़ाफरान, गुले सुर्ख़, दारचीनी, बेहमन सफेद, बेहमन सुर्ख़, दरूनज अक़रबी, आब्रेशम मोती, कहरूबा प्रत्येक 55.5 मि.ग्रा., तबाशीर, सन्दल सफेद, सन्दल सुर्ख़, धनिया, गुले गावज़बां, आंवला खुश्क, खुर्फा बीज, वर्क़ चांदी प्रत्येक 79.3 मि.ग्रा., ज़रिश्क 119 मि.ग्रा. सेब रस 591 मि.ग्रा., सार्बीटौल 825 मि.ग्रा, फ्रक्टोऑलिगोसैक्राईड्स 2.141 ग्राम, अर्क़ केवड़ा q.s.

लक्षण : हृदय की दुर्बलता, हृदय की अनियमित प्रक्रिया, सामान्य शारीरिक दुर्बलता, मूर्च्छा, धड़कन, खिन्नता ;मैलन्कोलियाद्ध, घबराहट, रोगावस्था के बाद की दुर्बलता, रक्त की कमी और यकृत व आमाशय की दुर्बलता।

सेवन विधि : 5 ग्राम प्रातः एवं सायंकाल एक गिलास दूध या पानी के साथ खिलाएं।

पैकिंग : 60 ग्राम व 125 ग्राम का पैक।

देहल्वी डी. एम. एम. जवाहरी कैप्सूल

सदियों की आज़माई हुई दवाउलमिस्क मोतदिल जवाहर वाली का विकसित रूप है जो कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत है। दवाउलमिस्क मोतदिल जवाहर वाली की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी डी0एम0एम0 जवाहरी कैप्सूल निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करता है। हृदय को पुष्टि देता है। हृदय की अनियमित प्रक्रिया को संतुलित करता है। सामान्य शारीरिक दुर्बलता, मूर्च्छा, घबराहट तथा रोगावस्था के बाद की दुर्बलता में लाभकर है। रक्त प्रवाह और रक्त उत्पत्ति को बढ़ाता है। यकृत तथा आमाशय को भी शक्ति प्रदान करता है।

मिश्रण : प्रत्येक 500 मि.ग्रा. कैप्सूल में शामिल पदार्थ : अम्बर 4.25 मि. ग्रा., अगर एक्सट्रैक्ट, बादरन्जबोया एक्सट्रैक्ट, मस्तगी, छड़ीला एक्सट्रैक्ट, इलाइची छोटी एक्सट्रैक्ट प्रत्येक 10.75 मि.ग्रा., केसर 15 मि.ग्रा., ख़ुर्फा बीज एक्सट्रैक्ट, गुलाब फूल एक्सट्रैक्ट, आब्रेशम एक्सट्रैक्ट, दालचीनी, बेहमन सफेद एक्सट्रैक्ट, बेहमन लाल एक्सट्रैक्ट, दरूनज अक़रबी एक्सट्रैक्ट, मोती, कहरूबा प्रत्येक 21.25 मि.ग्रा., बन्सलोचन, सन्दल सफेद एक्सट्रैक्ट, सन्दल लाल एक्सट्रैक्ट, धनिया एक्सट्रैक्ट, गावज़बां फूल एक्सट्रैक्ट, आंवला एक्सट्रैक्ट प्रत्येक 32 मि.ग्रा., ज़रिश्क एक्सट्रैक्ट 43.75 मि.ग्रा.

लक्षण : हृदय की दुर्बलता, हृदय की अनियमित प्रक्रिया, सामान्य शारीरिक दुर्बलता, मूर्च्छा, धड़कन, खिन्नता (मैलन्कोलिया), घबराहट, रोगावस्था के बाद की दुर्बलता, रक्त की कमी और यकृत व आमाशय की दुर्बलता।

सेवन विधि : 1 या 2 कैप्सूल प्रातः एवं सायंकाल 50 मिली लीटर अर्क़ माउल्लहम दो आतिशा के साथ खिलाएं।

पैकिंग : 14 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी सेहाटोन

हृदय को पुष्टि देती है। हृदय की अनियमित प्रक्रिया को संतुलित करती है। सामान्य शारीरिक दुर्बलता, मूर्च्छा, घबराहट तथा रोगावस्था के बाद की दुर्बलता में लाभकर है। रक्त प्रवाह और रक्त उत्पत्ति को बढ़ाती है। यकृत तथा आमाशय को भी शक्ति प्रदान करती है।

मिश्रण : प्रत्येक 5 ग्राम में शामिल पदार्थ : बादरन्ज बोया, अम्बर, अगर, प्रत्येक 2.7 मि.ग्रा., छड़ीला, मोती, कहरूबा, वर्क़ चांदी प्रत्येक 4.2 मि.ग्रा., केसर 5 मि.ग्रा., आबरेशम, बहमन सफेद, बहमन लाल, दरूनज, दालचीनी, गुलाब फूल, बन्सलोचन प्रत्येक 8.4 मि.ग्रा., ख़ुर्फा बीज, आंवला, गावज़बां फूल, सन्दल सफेद, सन्दल लाल प्रत्येक 12.6 मि.ग्रा., ज़रिश्क 21.6 मि.ग्रा., इलाइची छोटी 30.45 मि.ग्रा., धनिया प्रत्येक 117.55 मि.ग्रा., मुरब्बा आमला, मुरब्बा बेही, सेब रस, अनार रस प्रत्येक 525.25 मि.ग्रा, चीनी q.s.

लक्षण : सामान्य शारीरिक दुर्बलता, धड़कन, हृदय की अनियमित प्रक्रिया, हृदय की दुर्बलता, घबराहट, अवसाद, रोगावस्था के बाद की दुर्बलता, पेट दर्द, अफ़ारा, रक्त की कमी, आमाशय की दुर्बलता, अम्लता, और क़ब्ज़।

सेवन विधि : 5 ग्राम प्रातःकाल या आवश्यकतानुसार खिलाएं।

पैकिंग : 125 ग्राम, 250 ग्राम, 500 ग्राम व 1 किलो का पैक।

शुद्धता की गारंटी

देहल्वी हार्टोन–डी आर

इसमें ऐसे तत्व मौजूद हैं जो हृदय संबधि बहुत से रोगों जैसै हृदय की तीव्र धड़कन, हृदय बैठ जाना तथा कमज़ोर हृदय आदि में अत्यन्त लाभदायक है। यह स्नायु व्यवस्था पर अच्छा प्रभाव डालता है जिससे हृदय शिप्रता, उत्तेजना (बेचैनी) तथा दबाव नियंत्रित हो जाते हैं यह प्रकंचक और अनुशिथिलन ब्लड प्रेशर को भी कम करता है। यह पूर्णतया सुरक्षित है और लंबी अवधी के सेवन में इससे किसी प्रकार के अन्य विकार उत्पन्न नहीं हो पाते। मामूली बीमारी की अवस्थाओं में यह अकेले ही लाभकारी है। गंभीर अवस्थाओं में इसके साथ अन्य औषधियां भी सेवन कराई जा सकती हैं।

मिश्रण : प्रत्येक 250 मि.ग्रा. गोल्ड कोटेड गोली में शामिल पदार्थ : कुश्ता मरजान 30 मि.ग्रा., मोती 32 मि.ग्रा., काली मिर्च 37 मि.ग्रा., ब्राह्मी 150 मि.ग्रा.

लक्षण : हृदयशूल (एन्जाइना), चिंता व परेशानी, हृदमन्दता (धड़कन का कम हो जाना), हृदय न्युरोसिस, अवसाद, रक्त में अत्यधिक मात्रा में वसा या चर्बी, विषाद रोग, हल्का उच्च रक्तचाप, घबराहट, भय, मायोकार्डियल इन्फार्कशन, मनोवैज्ञानिक दबाव और हृदय की धड़कन का बढ़ जाना।

सेवन विधि : एक गोली 5 ग्राम ख़मीरा मरवारीद में मिलाकर प्रातःकाल निहार मुंह या आवश्यकतानुसार खिलाएं। केवल गोली भी खिला सकते हैं।

पैकिंग : 10 पिल्ज़ का पैक।

प्रेशर–ईज़

रक्तचाप को सामान्य बनाए रखती है और ऐसी क्रिया–विधियों को नष्ट करता है जो इसके मुख्य दोष का कारण हैं। प्रेशर–ईज़ कैप्सूल के कुछ संघटक अंश विशेष रूप से उन रक्त वाहिनियों को निशाना बनाता है जो सुकुड़ गई हैं, जबकि दूसरे संघटक अंश हृदय के द्वारा रक्त की सप्लाई को स्वस्थ्य बनाने में सहायता करते हैं और धमनियों में होने वाली रुकावटों को होने से रोकता है। यह मनोवैज्ञानिक दबाव को दूर करता है और शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है।

मिश्रण : प्रत्येक 500 मि.ग्रा. कैप्सूल में शामिल पदार्थ : कहरुबा 50 मि.ग्रा., गुलाब फूल एक्सट्रैक्ट, इलाइची छोटी, सन्दल सफ़ेद प्रत्येक 100 मि.ग्रा., सर्पगंधा एक्सट्रैक्ट 150 मि.ग्रा.

लक्षण : उच्च रक्तचाप, अनिद्रा, मनोवैज्ञानिक दबाव और चिंता व परेशानी।

सेवन विधि : 1 कैप्सूल रात को सोते समय पानी से सेवन कराएं। निश्चित मात्रा से अधिक न दें।

पैकिंग : 28 कैप्सूल का पैक।

लिपोकैप

प्राकृतिक ढ़ंग से कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, कोलेस्ट्रॉल के संचालन को उचित करता है, रक्त में ख़राब LDL कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लाइसेराइड्स के स्तर को कम करता है और अच्छे HDL कोलेस्ट्रॉलश का स्तर बढ़ाता है।

मिश्रण : प्रत्येक 500 मि.ग्रा. कैप्सूल में शामिल पदार्थ : नागर मोठा एक्सट्रैक्ट, गुड़मार एक्सट्रैक्ट, अर्जुन एक्सट्रैक्ट, गुग्गुल एक्सट्रैक्ट प्रत्येक 50 मि.ग्रा., बहमन लाल एक्सट्रैक्ट, प्याज़ बीज एक्सट्रैक्ट, लहसुन एक्सट्रैक्ट प्रत्येक 100 मि.ग्रा.

लक्षण : रक्त में अत्यधिक मात्रा में वसा या चर्बी (लाइपिड) और धमनीकलाकाठिन्य।

सेवन विधि : 2–2 कैप्सूल दिन में दो बार पानी से सेवन कराएं।

पैकिंग : 60 कैप्सूल का पैक।

सिंगल हर्ब कैप्सूल

अर्जुना कैप्सूल/टबलैट

हृदय को स्वस्थ व सामान्य रखता, मांसिक तनाव व डर को दूर करता, रक्तचाप व हृदय का संचालन नियमित करता, कोलेस्ट्रॉल स्तर को नियंत्रित करता, हृदय विकार दूर करता, हृदय की धड़कन, ऐंजाईना तथा अन्य हृदय विकारों में लाभ देता और हृदय को ऑक्सीजन पहुंचाने में सहायक है।

मिश्रण : प्रत्येक 250 मि.ग्रा. कैप्सूल में शामिल पदार्थ : अर्जुन छाल एक्सट्रैक्ट 250 मि.ग्रा.

लक्षण : हृदयशूल (एन्जाइना), रक्त में अत्यधिक मात्रा में वसा या चर्बी, उच्च रक्तचाप, हाइपरलिपिडेमिया, हृदय रोग, मायोकार्डियल इन्फार्कशन, चिंता व परेशानी और तनाव।

सेवन विधि : 2–2 कैप्सूल / टबलैट दिन में दो बार पानी से सेवन कराएं।

पैकिंग : 60 कैप्सूल / टबलैट का पैक।

असरोल कैप्सूल

इसे सदियों से केंद्रीय स्नायु संस्थान विकारों (Central Nervous System Disorders) – मानसिक व मोटर न्यूरॉन, जैसे चिंता व परेशानी, अनिद्रा, उत्तेज्यता, लैंगिक एग्रेशन, रोगभ्रम, मानसिक क्रियाशीलता का ह्रास, हिस्टीरिया, पागलपन, मालीख़ूलिया व मिर्गी (अपस्मार) में सेवन कराया जा रहा है। उच्च रक्तचाप में भी लाभदायक है।

मिश्रण : प्रत्येक 500 मि.ग्रा. कैप्सूल में शामिल पदार्थ : असरोल एक्सट्रैक्ट 200 मि.ग्रा., असरोल पाउडर 300 मि.ग्रा.

लक्षण : उच्च रक्तचाप, अनिद्रा, तनाव और चिंता।

सेवन विधि : 1 कैप्सूल रात को सोते समय पानी से सेवन कराएं।

पैकिंग : 30 कैप्सूल का पैक।

गुग्गल कैप्सूल

मोटापा और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए एक बहुत प्रभावी हर्बल दवा है। सीरम ट्राइग्लाइसेराइड्स व कोलेस्ट्रॉल और LDL और VLDL कोलेस्ट्रॉल (ख़राब कोलेस्ट्रॉल) को कम करता है। यह अच्छे HDL कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ाता है। यह प्लेटलेट्स की चिपचिपाह को कम करता है – एक और प्रभाव जो कोरोनरी धमनी रोग के जोखिम को कम करता है।

मिश्रण : प्रत्येक 250 मि.ग्रा. कैप्सूल में शामिल पदार्थ : गुग्गल एक्सट्रैक्ट 250 मि.ग्रा.

लक्षण : धमनीकलाकाठिन्य, कोलेस्ट्रोल का ऊंचा एल.डी.एल. स्तर, स्नायुदौर्बल्य, मोटापा और ट्राइग्लाइसेराइड्स का बढ़ा हुआ स्तर।

सेवन विधि : प्रतिदिन 1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें।

पैकिंग : 30 कैप्सूल का पैक।

बहमन कैप्सूल

यह हृदयशूल के लक्षणों को कम करता है एवं हृदय के कार्य को सुधारता है। दिल के दौरे से स्वस्थ्यलाभ होने वाले रोगियों को सहायता देता है और यह प्रतीत हुआ है कि इस गम्भीर स्थिती में भी इसने हृदय की क्रिया को सुधारने में सहायता दी। चिकित्सालीय जांच से सिद्ध हुआ कि बहमन को निरोधक के रूप में प्रयोग करना अत्याधिक लाभप्रद है न कि दिल का दौरा पड़ने के पश्चात। यह विशेशकर हृदय वाहिनियों में रक्त के दबाव के लिए लाभदायी है, रक्त धमनीयों की रगों को खोलता है और हृदय को रक्त प्रदान करने में सुधार उत्पन्न करता है और इसी कारण यह हृदयिक वाहिनियों के रोगों के लिए अधिक प्रभावशाली है। यद्यपि यह रक्त के दाब को कम नहीं करता, किन्तु यह रक्त वाहिनियों को ढीला करता है और समस्त शरीर को रक्त पहुंचाने का उत्तम कार्य करता है। यह रक्त को जमने से रोकता है और मायोकार्डियल इन्फार्कशन (दिल का दौरा) को रोकने और चिकित्सा करने में उपयोगी है।

मिश्रण : प्रत्येक 250 मि.ग्रा. कैप्सूल में शामिल पदार्थ : बहमन सुर्ख़ एक्सट्रैक्ट 250 मि.ग्रा.

लक्षण : एल्ज़ाएमरस रोग, हृद्शूल, चिंता व परेशानी, धमनीकाठिन्य, वृद्धावस्था में भ्रम, रोग की समाप्ती के पश्चात् पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्ती, मानसिक अवसाद, सामान्य दुर्बलता, उच्च रक्तचाप, प्रतिरोधक तन्त्र में कमी, अनिद्रा, मस्तिश्क की थकावट, मायोकार्डियल इन्फार्कशन, हृदय की धड़कन और मनोवैज्ञानिक दबाव।

सेवन विधि : प्रतिदिन 2 कैप्सूल दो बार भोजन से पूर्व पानी के साथ दें।

पैकिंग : 60 कैप्सूल का पैक।

लेहसुन कैप्सूल

कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए बहुत प्रभावी है। गुर्दे की सफाई और मूत्र प्रवाह में वृद्धि करके यह शरीर को कमजवगपलि करता है। प्रतिरक्षा क्षमता में कमी, नज़ला ज़ुकाम, फ्लू, बैक्टीरिया और कवक द्वारा त्वचा पर संक्रमण के लिए लाभदायक है।

मिश्रण : प्रत्येक 200 मि.ग्रा. कैप्सूल में शामिल पदार्थ : लेसुन एक्सट्रैक्ट 200 मि.ग्रा., असरोल पाउडर 300 मि.ग्रा.

लक्षण : धमनीकलाकाठिन्य, हृदय रक्त वाहिनियों के रोग, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ा हुआ स्तर, उच्च रक्तचाप, हृदय की धड़कन, प्रतिरक्षा क्षमता में कमी और रक्त वाहिनी में रक्त के थक्के का बनना (Thrombosis)।

सेवन विधि : प्रतिदिन 1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात पानी के साथ दें।

पैकिंग : 60 कैप्सूल का पैक।

अन्य प्रोपराइटरी और जेनरिक

इन उपरोक्त औषधियों के अतिरिक्त, देहल्वी कई प्रोपराइटरी ओर जेनरिक दवाएं बनाती है जो हृदवाहिनी विकार में उपयोगी हैं – अर्क़ अंबर, अर्क़ गावज़बां, अर्क़ गुलाब, अर्क़ बेद मुश्क, अर्जुना आमला रस, अर्जुना रस, कुश्ता अक़ीक़, कुश्ता नुक़रा, कुश्ता मरवारीद, ख़मीरा आबरेशम हकीम अर्शद वाला, जवारिश शाही, जवाहर मोहरा, दवाउलमिस्क मोतदिल, दवाउलमिस्क मोतदिल जवाहर वाली, शर्बत अंगूर शीरीं, हब्बे जवाहर और हार्ट–केयर।